राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2400
रोनिन
World Terrorism
राज रजत वर्ष
आतंकहर्ता
नागराज
HEMANT
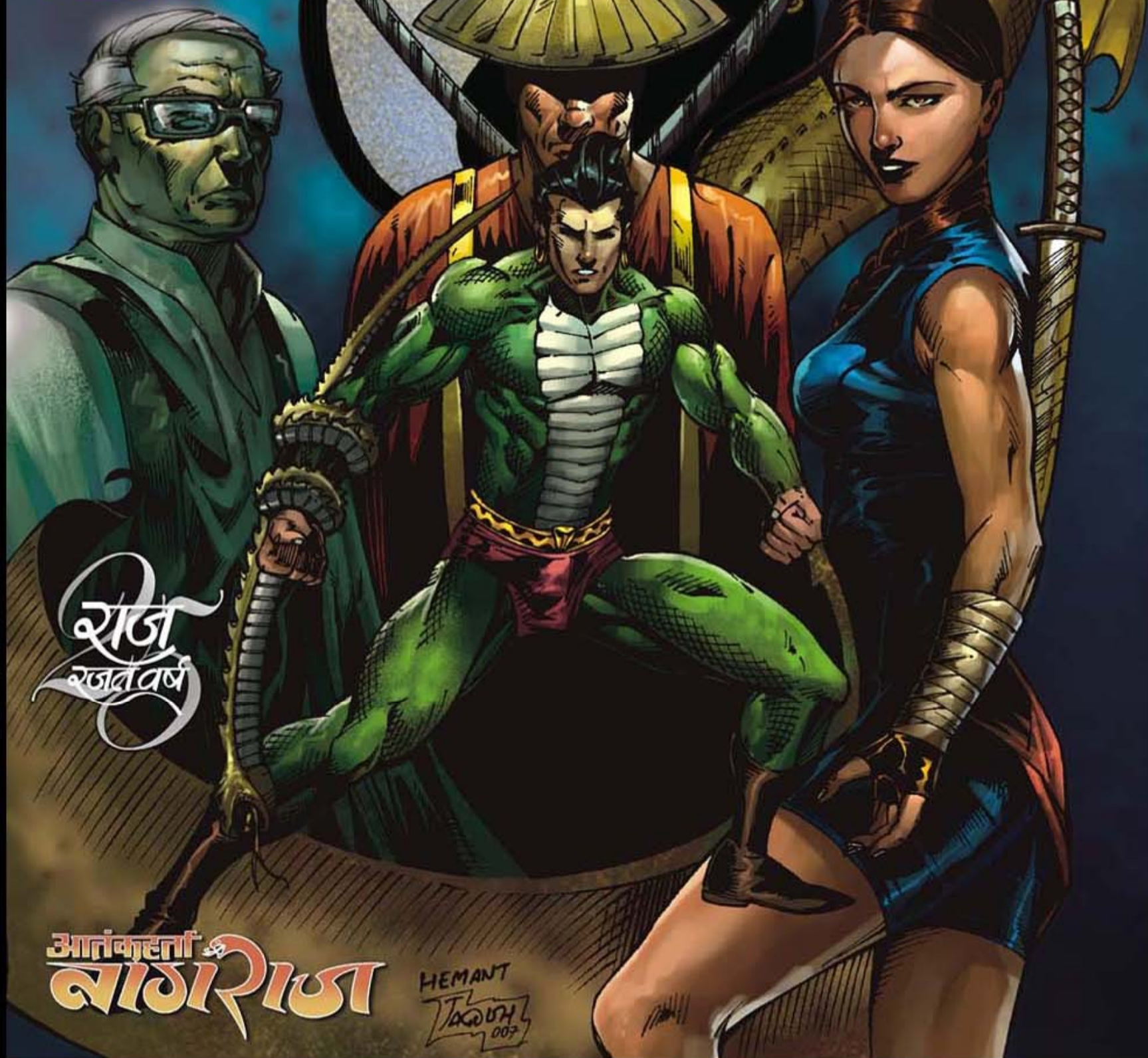
परिकल्पना	लेखक	चित्रांकन	इंकिंग
विवेक मोहन अनुराग सिंह	संजय गुप्ता तरुण कुमार वाही	हेमंत	जगदीश कुमार
इफैक्ट	**कैलीग्राफी**	**सह संपादक**	**संपादक**
प्रवीन सिंह	हरीश शर्मा	मंदार गंगेले	मनीष गुप्ता

कुछ तबाहियां जमीन के नीचे से आती हैं जैसे लावा उगलते लगभग
200 सक्रिय ज्वालामुखी और तबाही मचाते तीव्र भूकम्प।

इन तबाहियों के बावजूद सूर्य सा सौम्य 3000 द्वीपों की अखण्डता लगातार खिसकती जमीन
पर भी अडिग खड़े रहने का गुण जापानवासियों के व्यक्तित्व में भी घुला-मिला दिखता है।

हम पर 'आर्टिकल-9' थोपा गया जिसके मुताबिक जापान केवल अपने देश की रक्षा के लिए छोटे हथियार ही बना सकता है, मिसाइल या परमाणु बम जैसे आक्रामक हथियार नहीं, क्योंकि अमेरिका ने ही जापान की सुरक्षा का दायित्व अपने ऊपर ले लिया था।

वो आज तक भी इसी बहाने हमारे देश को अपने सैनिक अड्डों के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। सुरक्षा के मामले में हम आज तक उसके हुक्म के गुलाम हैं।

लेकिन अब हम अमेरिकी गुलामी के बंधन तोड़ देंगे। हमने आज वो हथियार खोज लिया है जो जापान को सुरक्षा देने के साथ ही अमेरिका को भी अपने कदमों पर झुकाने की बेमिसाल शक्ति रखता है।

माउंट फ़ूजी! जिसका अर्थ है जापान का ऐश्वर्य, अजित्य, असमाप्त, अमर और बेजोड़ सिपाही! ये अमर, अजित्य सिपाही हमेशा जापान के माथे का मुकुट बना रहेगा।
प्रत्येक जापानी इसके आगे नतमस्तक है। प्रत्येक जापानी इससे इसकी तरह ही एक असमाप्त युद्ध लड़ने के लिए प्रेरित है, तब तक जब तक कि उसका खोया हुआ आत्म-सम्मान वापस ना आ जाए।
और ये आत्म-सम्मान खोया था सन् 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिराए थे।
जापान को सात साल तक गुलाम बनाकर रखा गया।
जापान की 'इम्पीरियल आर्मी' को आज 'सेल्फ-डिफेंस-फोर्स' कहा जाता है जिसका मुखिया आज भी अमेरिका बना हुआ है।
13 साल पहले गुरु कोशीमासा ने जो भविष्यवाणी की थी, वो अब सच होगी।
अमेरिका ने जापान की सत्ता छीनकर समुराई के देश को सैनिक का देश बना दिया था अब वह सैनिक फिर से बनेंगे समुराई और अमेरिका होगा तबाह और बर्बाद।

जापान में छठी शताब्दी में बुद्ध का आगमन हुआ था और 12वीं शताब्दी में बुद्ध प्रसिद्ध हो गया था।
मगर किसी की निगाह में ये...
बुद्ध तन और मन के रोगों का एकमात्र उपचार है। इसकी शरण में शांति है। अहिंसा है। क्षमा है। परोपकार है।
...धोखा है।
MATCH BOX
...फरेब है।
चट चट चटाक
...देशद्रोह है।
पट
पट
पटाक
धाड़
धूम
चट

...खूनी है!
...हत्यारा है! तुम्हारा धार्मिक संगठन शांतियो एक ढोंग है।
लड़की! ये पवित्र शांतियो है। तुम्हारे कटु वचनों और उपद्रवी हरकतों से गुरु शिगेहीरो के प्रवचनों में बाधा पहुंच रही है। इसे बंद करो।
तुम सभी धार्मिक संगठन ढोंगी होते हो। गुरु कोशीमासा के धार्मिक संगठन ओम् की तरह।
ओम् की तरह धर्म संगठन की आड़ में तुम लोग भी अपनी किसी स्वार्थ सिद्धी में लगे हो। सरकार भले ही तुम पर कोई रोक ना लगाए मगर कियो तुम्हें रोकेगी।
उफ!
खनाक
खनाक
ठहरो लड़की!!

लेकिन हम और हमारा संगठन 'शांतियो' अहिंसावादी हैं। हम स्वार्थी नहीं हैं लड़की। हम मददगार हैं। हमारे संगठन के सद्भावनायुक्त विचारों एवं कार्यों के कारण सैकड़ों हजारों अनुयायी बुद्ध के बताए मार्ग पर चलते हैं।
गुरु कोशीमासा ने जो कुछ किया, गलत किया। उसकी सजा वो भुगत रहा है।
सांयऽऽऽऽय
और मैं उस रास्ते पर चलती हूं जो मुझे मेरी अंतर्आत्मा दिखाती है।
गुरुजी! बचिए... आह!
तुम्हारी अंतर्आत्मा तुम्हे गलत रास्ता दिखा रही है....

अपनी अंतरात्मा को सही रास्ते पर डालो कियो!
ओह, आप...!
गुरु ड्रेगो! जिसको खुद अपनी अंतआत्मा को सही राह पर डालने की जरूरत है!!
ऐसा केवल तुम समझती हो।
उस वक्त मेरी अंतआत्मा की आवाज आपने अनसुनी कर दी थी, जब मेरा बदला लेने में मेरी मदद करने से आपने इनकार कर दिया था।
मगर अब, जब मुझे याकूजा की पॉवर मिल गई है तो...
...अब मुझे कोई नहीं रोक सकता...
...आप भी नहीं।

...मैं हूं आतंकहर्ता नागराज की किलर! अब जापान में तूफान उठेगा।
कियो का तूफान!
अमेरिकन एम्बैसी
मानव जीवन एक लम्बी रेस है!
जो कभी थमती नहीं।
और ना ही कभी थमते हैं..
...जीवन की इस रेस को खत्म करने के ख्वाहिश मंद!
पर जो जीतने की ठान चुका है...
STOP
उनके लिए कोई भी अड़चन मायने नहीं रखती!
सारी अड़चनों, सारी बाधाओं को पार कर जाते हैं वे!
भड़ाक
आह!!
धांए
धांए
धांए
उस ट्रक में आतंकवादी हो सकते हैं।
फायर!!!

पर यह एक खेल है।
हर खेल की तरह इसमें भी कई मोड़ आते हैं।
शी ईऽऽऽऽऽ
जीतने वाला पक्ष हारने लगता है।
अ...उफ! ये लोग...ग..गैस अटैक कर...रहे...हैं।
वैसे तो खेल में कोई भी पक्ष विजेता हो सकता है।
अमेरिकन एम्बैसी में इस समय करीब सात सौ लोगों का स्टाफ मौजूद है।
गैस का असर अंदर तक आ गया तो सात सौ जिंदगियां खतरे में पड़ जाएंगी।
लेकिन जीवन के खेल में विजय हमेशा सत्य की होनी चाहिए।
ये सरीन गैस है जो हवा में साइनाइड सा असर पैदा करती है। शरीर की जीवित कोशिकाओं व अंगों के नर्वस सिस्टम पर मार करती है और सोचने का भी मौका नहीं देती।
अमेरीकन एम्बैसी को गैस चैम्बर बना देंगे।

बिल्डिंग के सारे खिड़की-दरवाजे अच्छी तरह से बंद कर लो।
सभी एग्जास्ट चालू कर दो।
और जब तक सत्य की जीत ना हो...
...खेल को समाप्त नहीं समझना चाहिए।
जिंग जिंग
जिंग खनाक!!!
ओह, नो! उन लोगों ने शीशे तोड़ डाले।
अब हमें मौत से कोई नहीं बचा सकता।
जब-जब सत्य दुर्बल होगा और असत्य सबल होता दिखेगा।
सर्रर्र...
खेल का रूख पलटने के लिए हस्तक्षेप करेगा एक सुपर खिलाड़ी।
जीवन के खेल के अंत में जीत सत्य की होनी निश्चित है।
उसके बिना खेल अधूरा रह जाएगा।
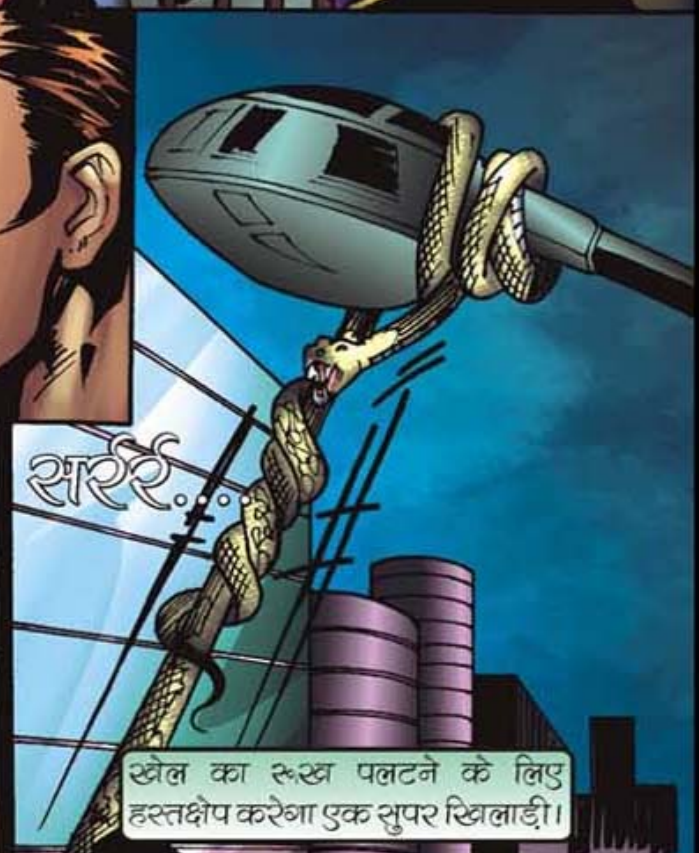
उसने भी मुझे हारा हुआ समझ लिया था।
यहां टोक्यो में मैं अपनी उसी हत्यारिन की तलाश में आया हूं।
उसने इटली में जो खेल शुरू किया था वो अभी अधूरा है।
इटली से निकलते समय मुझ पर प्राण घातक हमला किया था उसने!
लेकिन उसकी टैक्सी राह भटक गई थी।
एक तरह से वो मेरी जान लेने में सफल हो गई थी।
बूम्म
एयरपोर्ट जाने के लिए मैं उसकी टैक्सी में सवार था।
उसकी टैक्सी की तरह वो भी राह से भटकी हुई थी।
मानवता की राह से।
मैंने उसे रोका था।
यह रास्ता एयरपोर्ट को नहीं, सीधा यमलोक की तरफ जाता है।

फिर वो चलती टैक्सी से बाहर कूद गई थी।
स्क्रिंच!!!
थड़ड़ड़
और मेरे समेत टैक्सी गहरी खाई में समा गई थी।
आह!!
आह!!
एक भीषण विस्फोट के साथ तल से टकराई टैक्सी टुकड़े-टुकड़े हो गई थी।
टैक्सी के सभी दरवाजे, खिड़कियां लॉक्ड थे।
बुरुरुम्म
टर्ररर्र
मैं सोच रहा था इस हमले में मुझे कूदने की जरूरत नहीं पड़ेगी...
...और सारा काम मेरे आदमी ही पूरा कर देंगे। तूने मजबूर कर दिया मुझे यहां आकर तुझे मौत देने पर।
लपटों के सैलाब में वो मेरे शरीर के टुकड़े ढूंढ रही थी-
मैंने नागराज की मौत की सुपारी ली है। मुझे उसकी मौत की पुष्टी करनी होगी!
मेरी लाश देखना चाहती थी वो।

ओह! यह भी मुझे लाश बनाने का ख्वाहिशमंद है।
अत्यंत घातक सरीन गैस से तू कैसे बच गया, ये तो मुझे नहीं पता! लेकिन अब डैड-ली के वायरस अटैक तुझे मौत के घाट उतार देंगे।
ये है एंथ्रेक्स वायरस का हमला। हाहाहा।
सरीन एक नर्व गैस है जो तुरंत नर्वस सिस्टम को कुंद कर देती है लेकिन यह बात यह भी नहीं जानता कि मैं अभी उसके सम्पर्क से बचा हुआ हूं।
एंथ्रेक्स वायरस एक बॉयोलोजिकल वेपन है। जो पशुओं और इंसानों को होने वाली एक खतरनाक बीमारी है जो बेसिलस एंथ्रेसिस नामक बेक्टीरिया के कारण होती है।
इससे संक्रमित प्राणी के शरीर का तापमान खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। जिसके कारण मौत पक्की है।
धाड़!!!
वो भी मेरी मौत का पक्का विश्वास करना चाहती थी।
कमाल है। सरीन के बाद एंथ्रेन्स वायरस का हमला भी पचा गया? मगर कैसे?
हां क्योंकि मेरे शरीर में खून के साथ जहर दौड़ता है। जिसमें दुनिया का कोई भी वायरस जिंदा नहीं बचता।
लेकिन वो शायद मेरी हत्यारिन के जीवन का सबसे बड़ा अचंभा था।
जलती हुई उस कार में मुझे ही ढूंढ रही हो ना?

लेकिन केवल एक पल और फिर वह बिजली की तरह मुझ पर टूट पड़ी थी-
हिस्स...
सर्ररररर....
जापानी मार्शल आर्ट की मास्टर थी वो।
एक उम्दा समुराई फाइटर।
अब तक मुझसे टकराए सभी फाइटर्स में सर्वश्रेष्ठ!
सरीन गैस तेरे मस्तिष्क के स्नायुओं को जरूर लकवाग्रस्त कर देगी। क्योंकि इसमें वायरस नहीं है। हाहाहा।
ओफ्फ!
उसकी कटाना मौत का चक्रवात बन गई थी। मेरे सर्प सैनिक कट-कट कर गिर रहे थे। उसका हर वार जानलेवा था।
धाड़!!!
देखा। तुझ पर इस गैस का असर हो रहा है।
बला की सी तेजी के साथ मुझे कई जख्म दे गई थी वो।
स्क्रSSSश
सांय
सांय
खच्चाक
एक बारगी चकरा गया था मैं।

इस शैतान डैड ली की नर्व गैस ने भी मेरे मस्तिष्क को उसी तरह चकरा दिया है।
कुछ देर के लिए मुझे अपना ध्यान इस लड़ाई पर केंद्रित करना होगा।
ओफ्फ!!
चोट गहरी लगी है लेकिन नर्व गैस नसों को सुन्न कर रही है। दर्द महसूस नहीं हो रहा।
अब तेरी रगों से छूट रहे हैं खून के फौव्वारे।
यही खून तेरी रगों में भी जिंदगी बनकर दौड़ रहा है। अब बचा ले अपनी जिंदगी...
...क्योंकि अब तेरा शरीर आखिरी सांस तक जगह-जगह से खून उगलेगा।

यह खून नागराज की रगों में जिंदगी बनकर नहीं बहता।
निर्दोष, मासूम लोगों का सकून नागराज को जिंदगी देता है।
हिस्स फूं
आखिरी सांस तक नागराज उस सकून के लिए अपना खून बहाता रहेगा।
सांय!!!
हिस्स!!!
मेरे जख्म मेरे इसी खून में रहने वाले नाग भर देंगे और फिर आतंकवाद का सिर कुचलने के लिए जिस्म में और खून बन जाएगा।
स्क्रींचऽऽऽ
डैड-ली! अब देख कि आतंकवाद के लहू में...
...जब आतंकवाद के दुश्मन के लहू का एक भी कतरा आकर मिलता है...

...तो क्या होता है?
आऽऽऽ आह!
एम्बैसी में हैरानी थी।
हैरानी है कि गैस हमले के बाद भी हम जिंदा कैसे हैं?
उसकी बदौलत!

नागराज एम्बैसी की छत पर जा पहुंचा था।
आओ शीतनाग।
नागराज! तुम्हारे आदेशानुसार मैंने एम्बैसी के चारों ओर फैले विषैली गैस के वेपर्स को शीत किरणों से जमा दिया है।
अब वेपर्स जल कणों में बदल कर भूमि पर गिर जाएंगे।
शीतनाग। आज तुम्हारे कारण कई सौ जानें बच गईं।
इस घटना से अमेरिका दहल गया था।
ये हमला 'अमेरिकी एम्बैसी' पर नहीं, अमेरिका पर हुआ है जिसमें पच्चीस अमेरिकी मारे गए हैं।
अब मुझे उस जापानी लड़की को खोजना है जिसने मुझे मौत के शून्य में पहुंचा दिया था।

हमलावरों को भले ही नागराज ने समाप्त कर दिया हो। लेकिन हमला किस की साजिश है जापानी सुरक्षा एजेन्सीज इस बात का पता अभी तक नहीं लगा पाई हैं।
मैं यहां जापान में अमेरिकी राजदूत हूं। अमेरिका अपने एक भी नागरिक पर जुल्म बर्दाश्त नहीं कर सकता।
अगर जल्द ही जापानी सुरक्षा एजेंसीज ने इस मामले में कुछ ना किया तो यहां हुई 25 अमेरिकियों की मौतों के लिए एफ.बी.आई. यहां आकर केस दर्ज करेगी और खुद ही जांच करेगी।
"मिस्टर अंबेस्डर! जापान गुनहगारों को जल्द सजा दिलवाएगा।"
आऽऽह
"हमने ये केस मिस्टर जेट-ली को सौंप दिया है।"
"जिसके आगे जिन्दा जुबान ना खोले तो मुर्दा बनते सेकेण्ड नहीं लगता।"

जेट-ली जापानी मिलिट्री इंटेलीजेंस के एक धुरंधर और अनुभवी जासूस थे। ये अपने पद से रिटायर हो चुके हैं।
लेकिन अपनी बेमिसाल क्षमताओं के कारण ये अभी भी बेस्ट हैं।
मुझे इस केस में 'ओऽम' के गुरु कोशीमासा का हाथ लगता है।
ओऽम को तो 13 साल पहले बैन कर दिया गया था।
...और कोशीमासा जापान की किसी 'हाई-सिक्योरिटी जेल' में बंद है जिसका पता उच्च न्यायिक अधिकारियों के अलावा कोई नहीं जानता।
आप बिल्कुल ठीक कहते हैं। लेकिन 13 साल पहले 'ओऽम' को इसीलिए बैन किया गया था क्योंकि एक धार्मिक संस्था की आड़ लेकर गुरु कोशीमासा ने ही तब भी सरीन अटैक किया था।
....जिसमें 75 अमेरिकी मारे गए थे। इसी हमले का शिकार होकर मारा गया था एण्टी कल्ट लॉयर टोमोशोगो भी, जो ओम के खिलाफ था।
गुरु कोशीमासा अमेरिकी सरकार द्वारा लागू किए गए 'आर्टिकल-9 का विरोधी था।

...और इसलिए वो अमेरिका से बैर रखता था। वो जापानवासियों को भड़काता था।
याद कीजिए अमेरिका विरोधी कोशीमासा की वो भविष्यवाणियां कि एक दिन अमेरिका जापान पर हमला करेगा।
तब एक मसीहा अग्नि पुरुष उत्पन्न होगा और जापान की रक्षा करेगा।

जापान सरकार या तो कोशीमासा को तुरंत मौत की सजा दे या उसे अमेरिका को सौंप दे।

टोक्यो
समुराई की उस जादूगरनी की कटाना ने लहूलुहान कर दिया था मेरे जिस्म को।
मगर मेरे जख्म तुरंत ही भरते चले गए।
मुझे 'किल' किए बिना उसका वहां से हिलने का इरादा नहीं था।
सांय
सांय
सांय!!!
सांय!!
मेरे अंगों को सुन्न कर दिया था उसके वारों ने।
वो खुद भी एक छुरी सी थी।
थम्ब!!!!
छुरियों के वार मेरी नसों पर किए गए थे।
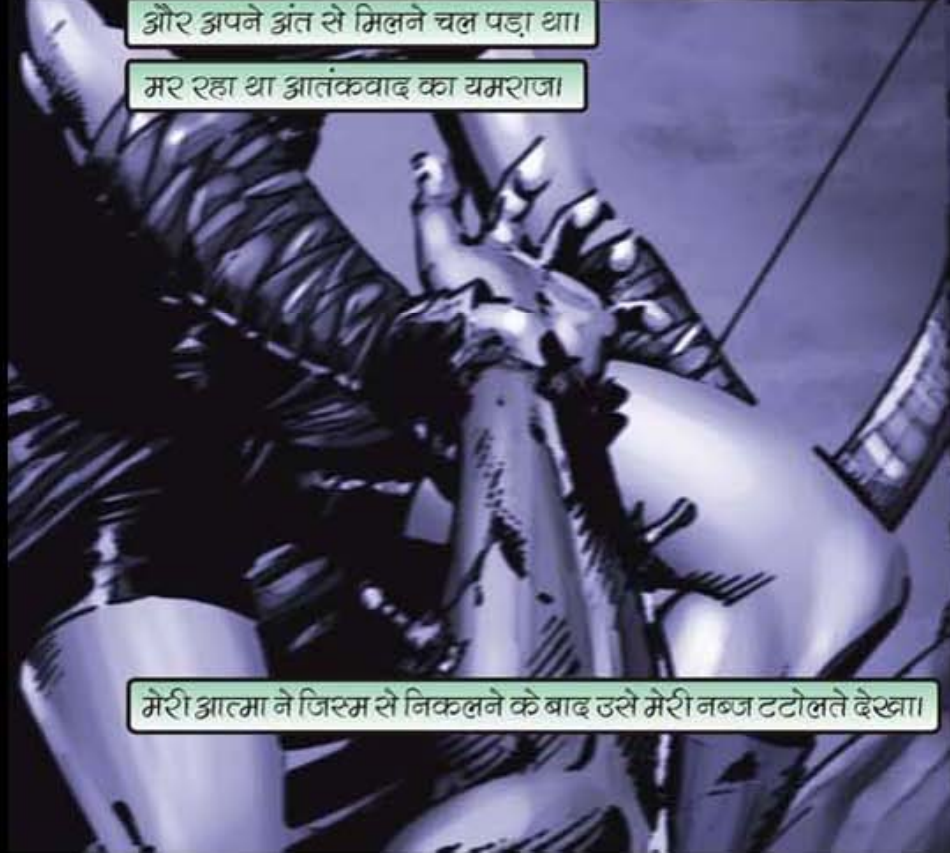
उतनी ही तेज।
उतनी ही घातक
मर्म स्थलों पर सटीक प्रहार किए थे उसने।
छुरियों से गुदा शरीर
तीरों से बिंध गया था।
मैं अपने होश खो रहा था।
और अपने अंत से मिलने चल पड़ा था।
मर रहा था आतंकवाद का यमराज।
आखिर किसी को मेरी मौत का
आसानी से विश्वास होता भी कैसे?
हथियार धोखा दे सकते थे।
लेकिन मेरी सांसें और नब्ज
मुझे धोखा दे चुकी थीं।
विजय!
कामयाबी!
अब मैं निश्चिंत
होकर टोक्यो लौट
सकती हूं।
मेरी आत्मा ने जिस्म से निकलने के बाद उसे मेरी नब्ज टटोलते देखा।
उसे भी हो गया था मेरी मृत्यु का विश्वास।

वो जापानी लड़की थी।
जापानी मार्शल आर्ट की माहिर।
इन सबमें खतरनाक बात यह कि उसने जापान के सबसे बदनाम माफिया संगठन यामा गूची गामी के सबसे बड़े ग्रुप याकुजा की यूनिफार्म पहनी हुई थी।
यानि कि वो एक मुजरिम थी।
यहां जापान में आकर अभी मैं उसकी तलाश शुरू भी नहीं कर पाया था कि अमेरिकन एम्बैसी पर 'सरीन अटैक' हो गया...
...और मुझे भी आतंकवादियों से मुकाबले के लिए उस घटना में कूदना पड़ा।
इस अस्त्र से मुझे मृत्यु दी गई थी।
टोक्यो की इस गली शाई फू में समुराई अस्त्र बनाने वाले कारीगरों की घर-घर में फैक्ट्रियां हैं।
क्या आप बता सकते हैं कि यह छुरी किस कारखाने में बनी है?
चूजो के कारखाने में!
चूजो।
ये अस्त्र तुम्हीं ने बनाया है?

जी हां।
मैं यह जानना चाहता हूं कि तुमने यह छुरी किसके लिए बनाई थी?
कौन हो तुम?
नागराज!!
वो कियो है। ऐसे हथियार बनाने का ऑर्डर मुझे उसी से मिलता है।
वो मुझे कहां मिलेगी?
शी शाई रेस्तरां
मैम! आपके लिए ये तोहफा भेजा है किसी ने।

इस तोहफे पर 'डेकोरेटिव नॉट' तुमने जानबूझकर नहीं बांधी या भूल गए?
...दोनों ही सूरतों में तुम्हें इस गुस्ताखी की सजा तो भुगतनी ही होगी।
तुम्हें अच्छी तरह से पता है कि तोहफे पर 'डेकोरेटिव नॉट' का ना बांधा जाना शत्रुता का प्रतीक है।
खनाक!!
अपना ये गुस्सा उस पर मत निकालो कियो।
...क्योंकि वो सिर्फ 'कुरियर बॉय' का काम कर रहा है। तुम्हें ये तोहफा मैंने भेजा है।

नागराज?
तुम जिंदा हो?
तुम्हारे सामने हूं।
मैं जानना चाहता हूं कि इटली में तुमने मुझ पर जानलेवा हमला क्यों किया था?
इटली की जमीन ने तुझे जीने का एक और अवसर दे दिया नागराज।
ये एक माहिर मार्शल आर्ट फाइटर है।
...मगर यहां जापान की जमीन नहीं देगी।

इसके वारों में सच्चाई है, सटीकता है।
दिल और दिमाग से जब तक आत्मा का मिलन ना हो।
तब तक शरीर ऐसे रिफ्लेक्स प्रदान नहीं करता।
जिस उत्तम तकनीक से यह लड़ती है।
तेरी मौत की सुपारी ली है मैंने। जो काम वहां इटली में अधूरा छूट गया था अब यहां पूरा करूंगी।
इसकी यह कला ही मुझे मदहोश कर देती है।
स्क्रिश

रेयो कुरुमा।
इची-नो-डो।
सैन-नो-डो
नी-नो-दो।
कुरुमासाकी।
सुरित सुके।
करी गेना।
ची-वारी।
वाकिजो।
ताई ताई!
ये सभी वार एक समुराई फाइटर अपने शत्रु का ध्यान बंटाने के लिए एक ही क्षण में उस पर करता है जबकि उसका लक्ष्य शत्रु का सिर होता है।

स्क्रssssश
मेरे पेट से लेकर छाती तक सभी वार करने के बाद...!
...अब ये...
...मेरी गर्दन पर अपना आखिरी वार कामी टेट वरी करेगी!!
हीsssयाsss
मेरा अनुमान ठीक निकला।
यानी ध्यान भटकाकर लक्ष्य पर सधा हुआ वार।
और अब मैं भी इस पर इसी का पलट वार करूंगा।
यानी जहां सांप छोडूंगा इसे वहां डसवाना मेरा लक्ष्य नहीं है। मेरा लक्ष्य इसकी वो कलाई है...
हिस्स!!!
...जिसमें उसने तलवार थाम रखी है।
और यह सांप जहरीला नहीं है।

लेकिन यह बात क्यो नहीं जानती।
थड़!!!
जिसका फायदा मुझे मिलेगा।
उफ!
खनाक!!!
यह भी हर आम अनजान इंसान की तरह सांप के काटने से जरूर घबरा जाएगी।
अब हाथ-पांवों को कष्ट दिया तो कष्ट के साथ मरोगी।
बताओ। मेरी मौत को अपना लक्ष्य क्यों बनाया तुमने? क्यों मारना चाहती हो मुझे?
मुझे तुम्हारी मौत की सुपारी मिली थी।
मेरा लक्ष्य है अपने पापा के हत्यारे से बदला लेना।
जिसके लिए मुझे याकूजा की ताकत चाहिए थी और याकूजा ने उस ताकत के लिए तुम्हारी मौत की शर्त रखी थी।

याकूजा को मेरी सुपारी किसने दी थी?
हमारे पास कैश का पैकेट आया था, जिसमें तुम्हें खत्म कर देने का 'नोट' लगा था।
ये सच बोल रही है।
एक सच्चा योद्धा कभी झूठ नहीं बोलता।
बदले की भावना अपने दिल से निकाल दो कियो और अपना रास्ता बदल लो। बदला वो आग है जिसमें इंसान खुद भी जल जाता है।
देखो! नफरत ने तुम्हारे सुंदर चेहरे को विकृत कर दिया है!! इसे फिर से...
मौत का चेहरा विकृत ही होता है नागराज!
धाड़!!
मैं जो कर रही हूं वो ठीक कर रही हूं।
और जो कुछ मुझे करना है वो मैं करके रहूंगी। अब मेरे रास्ते में भले ही नागराज आए या यमराज।
...मै रुकने वाली नहीं।
इसे मैं क्या सजा देता? यह भटकी हुई है। इसे तो खुद मदद की जरूरत है। समय मिला तो मैं इसकी मदद करूंगा।

लेकिन क्या मुझे समय मिल पाएगा?
जिसने भी जापान में मेरी सुपारी दी होगी उसके इरादे बहुत खतरनाक होंगे।
क्योंकि आतंकहर्ता नागराज की मौत वही चाह सकता है जिसे फैलाना हो गंभीर आतंक।
ORIGINAL
PASSAGE
SUTAYA
क्या आने वाले दिनों में यह शांत और खूबसूरत देश आतंकवाद से दहलने वाला है?
ये शांति पसंद, भोले लोग जो हर पल अपने कैरियर के लिए घड़ी की सुईयों के साथ भागे चले जाते हैं। क्या दुनिया के सबसे बड़े तूफान को झेलने को तैयार होंगे?

शायद ही नहीं।
खौफ फैलाने वाले बेखौफ ही होते हैं।
हम फ्यूरियस फाइव के सभी सदस्य आपकी लम्बी आयु के लिए बुद्ध से प्रार्थना करते हैं।
डैड ली मारा गया लेकिन हम भी आपके हर आदेश पर अपने प्राण न्यौछावर करेंगे।
अब आजादी करीब है।
...मगर उसके लिए संघर्ष करना होगा।
मैं फुच्चू जेल में पहुंच चुका हूं...
ओऽम्!!
ओऽम्!!
ओऽम्!!
फुच्चू जेल
जिसका मन चीख रहा हो, उसे अपनी जुबान पर लटके चुप्पी के तालों को तोड़ देना चाहिए।
तेरह सालों से तुम्हारा मन अशांत है मगर जुबान चुप। इस चुप्पी को तोड़ दो गुरु कोशीमासा।

अरे! मैं इन्हें चीलें समझ रहा था। ये हैंग ग्लाइडर्स हैं।
ये हमारी ही ओर आ रहे हैं।
ये ग्लाइडिंग एरिया नहीं है। कंट्रोल रूम को मैसेज दो और मशीन गन्स के रूख उनकी तरफ कर दो।
बूम्म!!!
आह!!
आह!!
बूम्म!!!
उफ! एक ग्लाइडरमैन जेल सिक्योरिटी की बैरक से टकराकर फट गया है।
बूम्म
उफ! ये लोग 'सूसाइड-अटैकर्स' हैं।
जिंग
ऐसे लड़ाकों के बारे में द्वितीय विश्वयुद्ध में सुना था। इस अटैक को कामीकाजे कहते हैं।
जिंग
जिंग
जिंग

कामीकाजे अटैकर्स को 'बॉडी क्रेशिंग मिशन' पर भेजा जाता था।
बूम्म!!!
जिस तरह मधु-मक्खी डंक मारने के बाद खुद भी खत्म हो जाती है। ठीक उसी तरह से ये अटैकर्स भी अपना काम करने के साथ ही खत्म होते चले जाते हैं।
बूम्म!!!
क्या हुआ? ये विस्फोट कैसे हैं?
जेल पर सूसाइड अटैकर्स का हमला हुआ है।
उन्होंने अपने साथ ही सिक्योरिटी टॉवर्स और बैरक को उड़ा दिया है।
जेटली सर। आप तो मिलिट्री इंटेलीजेंस से जुड़े हैं। आप यहां क्या कर रहे हैं?
क्या आप बता सकते हैं कि जेल पर हमला क्यों हुआ है?
फिजूल के प्रश्न मत कीजिए। जेल पर सूसाइड अटैकर्स का हमला हुआ है। आप लोग कोई सुरक्षित जगह देखिए।
हम तो यहां कैदियों के लिविंग कंडिशन पर कवरेज लेने आए थे।
लेकिन यहां तो ब्रेकिंग न्यूज हाथ लग गई।

फ्यूरियस फाइव
हमारे फ्लाइंग स्क्वॉड ने जेल की अधिकांश सिक्योरिटी को ध्वस्त करके हमारा जेल के अंदर पहुंचने का रास्ता बना दिया है।
आह!
आं!
कच्चाक
अब यहां से बची खुची सिक्योरिटी को खत्म करके हमें अपना काम पूरा करना है।
हमारी गनों की नाल पिघल गई।
भून दो!
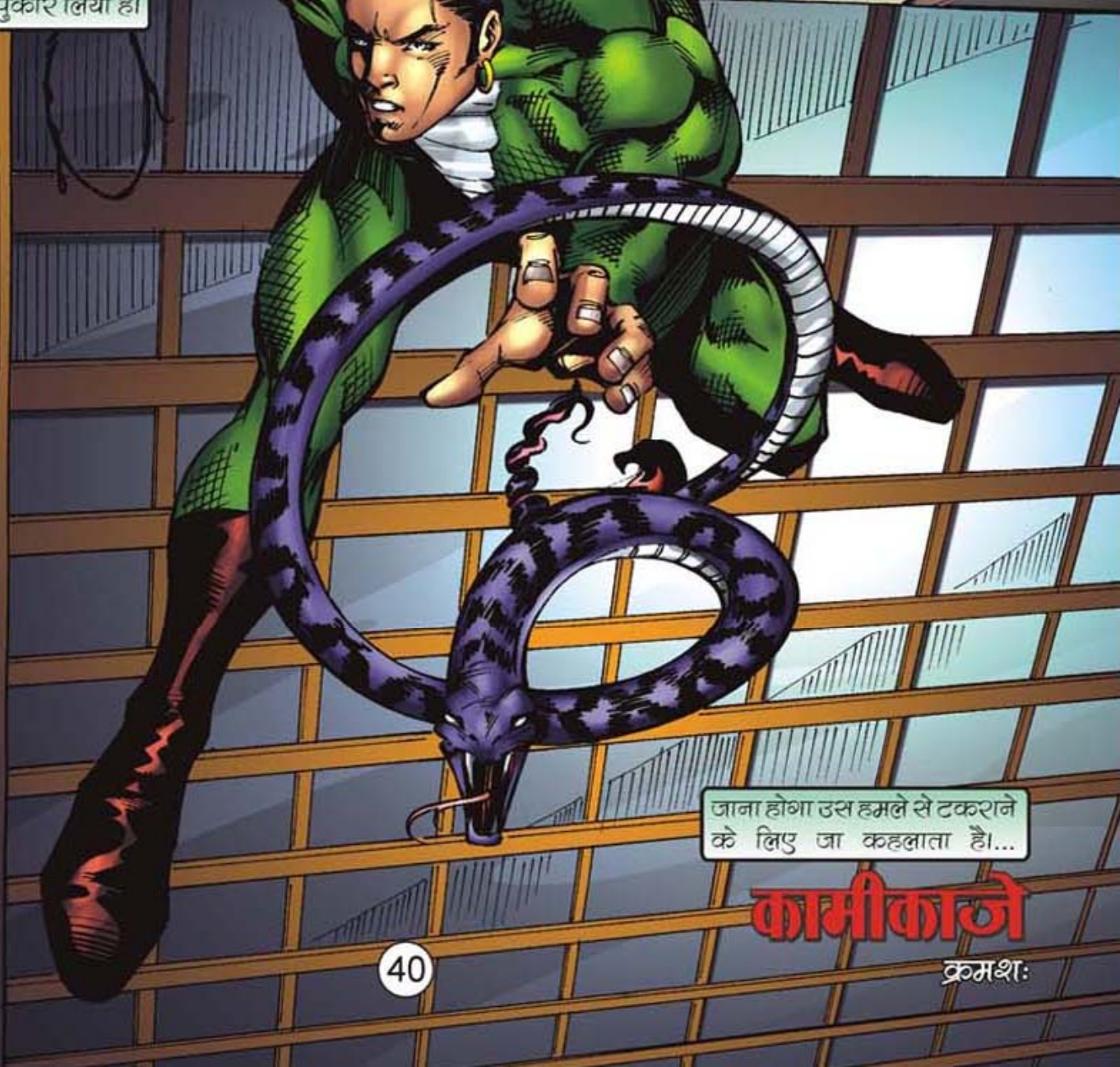
आतंकवाद ने पुकार लिया है।
जाना होगा उस हमले से टकराने के लिए जा कहलाता है...
कामीकाजे
क्रमशः